सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 135 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 20 जून, 2022
मूल्य ₹ 3/-

सारस की तरह एक बुद्धिमान व्यक्ति को अपनी इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना चाहिए और अपने उद्देश्य को स्थान की जानकारी, समय और योग्यता के अनुसार प्राप्त करना चाहिए।
-चाणक्य

सैनिकों को सिक्योरिटी गार्ड बनाने की... 2 | रामपुर के बाद आजम खां ने... 3 | भाजपा की जनविरोधी नीतियों का... 7

'अग्निपथ' के खिलाफ भारत बंद

ट्रेनों के पहिए जाम, विपक्ष ने सरकार को घेरा

» कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रोकी ट्रेन, पांच सौ से अधिक ट्रेनें रद्द

» नोएडा-दिल्ली मार्ग पर लगा लंबा जाम, लोग परेशान, सुरक्षा कड़ी

» विपक्ष बोला, सरकार कर रही देश की सुरक्षा से खिलवाड़

» प्रदर्शनकारियों ने ट्रेन और स्टेशनों को बनाया था निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अग्निपथ भर्ती योजना के खिलाफ आज भारत बंद के आह्वान के बाद रेल और सड़क यातायात व्यवस्था चरमरा गई। करीब पांच सौ से अधिक ट्रेनों के पहिए जाम रहे। इससे यात्री परेशान रहे। दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ट्रेन रोककर विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली और नोएडा में भारी जाम लग गया। वहीं विपक्ष ने सरकार पर देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है और अग्निपथ भर्ती योजना की तुलना नोटबंदी से की। विरोध को देखते हुए कई राज्यों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

अग्निपथ योजना को लेकर चल रहे आंदोलन को देखते हुए रेलवे ने 539 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। इसमें 181 मेल एक्सप्रेस और 348 यात्री ट्रेनें शामिल हैं। 4 मेल एक्सप्रेस और 6 पैसेंजर ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द हैं। वहीं दिल्ली में शिवाजी ब्रिज पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ट्रेन रोककर विरोध जताया। नोएडा-दिल्ली लिंक रोड, गुरुग्राम और अक्षरधाम में भीषण जाम लग गया। बिहार के 20 जिलों में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। अग्निपथ योजना का सबसे ज्यादा हिंसक विरोध बिहार में हुआ था। झारखंड के सभी स्कूल बंद रहे। दिल्ली, आंध्र प्रदेश, बंगाल, केरल यूपी, बिहार में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

अग्निपथ के पीछे आरएसएस का हिडेन एजेंडा: कुमारस्वामी

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि अग्निपथ के जरिए सेना पर नियंत्रण करने के लिए यह आरएसएस का छिपा एजेंडा है। नाजी आंदोलन की शुरुआत अग्निपथ से होगी और अग्निवीरों का प्रयोग किया जाएगा।

योजना वापस ले सरकार: अजय माकन

कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा कि हमारी मांग है कि अग्निपथ योजना को वापस लिया जाए और पार्लियामेंट में डिस्कस किया जाए और युवाओं को विश्वास में लिया जाए और बात की जाए।

बिहार में भाजपा कार्यालयों की बढ़ाई सुरक्षा

अग्निपथ योजना को लेकर राज्य में चल रहे हिसक प्रदर्शन को देखते हुए बिहार के भाजपा कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। राज्य के करीब एक दर्जन जिलों के भाजपा कार्यालयों में एसएसबी की तैनाती की गई है।

युवाओं की निराशा देश के विकास के लिए घातक: अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया, 'अग्निपथ' की नीति सरकार ने बनायी है अतः सरकार व सत्ताधारी दल के प्रवक्ता किसी और को आगे न करें। अमीर उद्योपतियों की आय की सुरक्षा से अधिक जरूरी है देश की सुरक्षा इसीलिए जो भी बजट कम पड़ रहा है उसके लिए सरकार कॉरपोरेट पर अतिरिक्त कर लगाए परंतु देश की सुरक्षा के साथ समझौता न करे। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं में वर्तमान के प्रति निराशा-हताशा और भविष्य के प्रति आशंका-असुरक्षा का भाव, देश के विकास के लिए घातक साबित होता है। सरकारों का दायित्व देश के वर्तमान को सुधारना व भविष्य को संवारना है। भाजपा सरकार का चतुर्दिक विरोध दर्शा रहा है कि भाजपा ने जनाधार खो दिया है।

नोटबंदी-तालाबंदी की तरह अग्निपथ को थोप रही सरकार: मायावती

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि केन्द्र की अग्निपथ नई सैन्य भर्ती स्कीम देश की सुरक्षा व फौजी के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान से जुड़ी होने के बावजूद भाजपा नेतागण जिस प्रकार से अनाप-शनाप व अनर्गल बयानबाजी कर रहे है वह अनुचित है। जनता में भ्रम व सेना के लिए मुश्किलें पैदा करने वाली संकीर्ण राजनीति तुरन्त बंद हो। देश को अचंभित करने वाली नई 'अग्निपथ' सैन्य भर्ती योजना, सरकार द्वारा नोटबंदी व तालाबंदी आदि की तरह ही अचानक व काफी आपाधापी में थोपी जा रही है, जिससे प्रभावित होने वाले करोड़ों युवा व उनके परिवार वालों में खासा आक्रोश है। सरकार इनके प्रति भी अहंकारी रवैये से बचे।

अग्निवीरों की भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

अग्निपथ योजना के विरोध में देश भर में चल रहे प्रदर्शन के बीच भारतीय सेना ने अग्निपथ योजना के तहत पहली भर्ती का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नोटिफिकेशन में योग्यता शर्तें, भर्ती प्रक्रिया, वेतन-भत्तों से लेकर सर्विस रूल्स तक का ब्योरा है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन जुलाई से शुरू होगा। अग्निवीरों की पहली भर्ती के लिए जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक जुलाई में रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएगा। 83 भर्ती रैलियों के जरिए करीब 40 हजार भर्तियां की जाएंगी। नोटिफिकेशन के मुताबिक, 8वीं और 10वीं पास युवा भी इसमें अप्लाई कर सकते हैं। इनको किसी तरह की पेंशन या ग्रेजुएटी नहीं मिलेगी। इसके अलावा सैनिकों को मिलने वाली कैंटीन की सुविधा भी अग्निवीरों को नहीं मिलेगी। साथ ही अग्निवीरों को कोई महंगाई भत्ता या मिलिट्री सर्विस पे नहीं मिलेगा।

राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ, सत्याग्रह पर कांग्रेसी

» नेशनल हेराल्ड मामले में जांच एजेंसी के सामने चौथी बार पेश हुए कांग्रेस सांसद

» प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम हाउस अरेस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लान्ड्रिंग मामले में चौथे दौर की पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। राहुल से पूछताछ के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जंतर-मंतर पर सत्याग्रह किया। इसके अलावा कांग्रेस पार्टी देश भर में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रही है। राहुल गांधी से ईडी ने 13 से 15 जून तक भारी विरोध के बीच पूछताछ की थी।

नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछताछ जारी है। कांग्रेस नेता आर्चाय प्रमोद कृष्णम को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया है। वह कांग्रेस के प्रदर्शन में भाग लेने के लिए जंतर-मंतर जा रहे थे। जंतर-मंतर पर कांग्रेस ने सत्याग्रह किया। इसमें मल्लिकार्जुन खड़गे, सलमान खुर्शीद, के सुरेश आदि शामिल रहे।

राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे कांग्रेस नेता

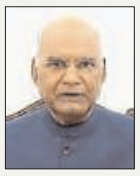

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल आज शाम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात कर सकता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी, पी चिंदबरम, केसी वेणुगोपाल समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे।

भाजपा ने साधा निशाना

राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ का विरोध कर रही कांग्रेस पर भाजपा नेता संबित पात्रा ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि देश में कोई महारानी विक्टोरिया या राजकुमार नहीं है कि उनकी जांच नहीं होगी। कानून सभी के लिए समान है। भ्रष्टाचार के लिए सभी की जांच की जा रही है। जनता नेशनल हेराल्ड घोटाले में एक परिवार की संलिप्तता और देश के धन के दुरुपयोग के बारे में जानती है।

तीन महीने से कांग्रेस को अपनी प्रदेश इकाई के मुखिया का इंतजार

» यूपी में अब तक प्रदेशाध्यक्ष की कुर्सी खाली

» तीन महीने बाद भी नहीं मिला कोई दावेदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव में अपना निम्नतम प्रदर्शन करने वाली कांग्रेस सूबे में खुद को सांगठनिक रूप से खड़ा करने को लेकर ऊहापोह में है। विधान सभा चुनाव में पटकनी खाने के बाद लोक सभा चुनाव की तैयारियों का दम भरने वाली कांग्रेस को तीन महीने से ज्यादा समय से अपनी प्रदेश इकाई के मुखिया का इंतजार है। उप्र समेत जिन पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव में कांग्रेस ने मुंह की खायी थी, उनमें से चार राज्यों-पंजाब, उत्तराखंड, गोआ और मणिपुर में उसने नए प्रदेश अध्यक्ष मार्च-अप्रैल में ही नियुक्त कर दिए लेकिन उप्र को लेकर पार्टी के भीतर कश्मकश जारी है।

विधान सभा चुनाव में कांग्रेस की शर्मनाक हार के बाद निवर्तमान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को 15 मार्च को इस्तीफा देना पड़ा था। तब से उप्र कांग्रेस को नए अध्यक्ष की प्रतीक्षा है। यह स्थिति तब है जब विधान सभा चुनाव में हार के बाद उप्र में पार्टी के भीतर उपजी स्थितियों का आकलन करने और चुनाव

में उतरे कांग्रेस प्रत्याशियों और वरिष्ठ नेताओं से चर्चा कर संगठन में बदलाव के बारे में सुझाव देने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह को मार्च में ही जिम्मेदारी सौंपी थी। भंवर जितेंद्र सिंह अप्रैल के तीसरे हफ्ते में उप्र के दौरे पर आए थे। लखनऊ, वाराणसी, झांसी और पश्चिमी उप्र के जिलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं से दिल्ली में मुलाकात के बाद उन्होंने पार्टी नेतृत्व को रिपोर्ट भी सौंप दी थी। रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद उदयपुर चिंतन शिविर को संपन्न हुए भी एक माह बीत चुका है।

आखिर कब पूरी होगी तलाश

कांग्रेस महासचिव और प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में विधान सभा चुनाव लड़ने के बाद पार्टी के ग्राफ में जिस तरह से गिरावट दर्ज की गई है, उससे पार्टी सकते में है। प्रियंका से करिश्मे की उम्मीद लगाए बैठी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए अब और कौन सा करिश्माई चेहरा तलाशे, इसे लेकर भी असमंजस है। फिलहाल पार्टी में चर्चा है कि प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर पार्टी का शीर्ष नेतृत्व एकमत नहीं है। वैसे प्रियंका के उप्र कांग्रेस की कमान संभालने के बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष की भूमिका रबर स्टैंप से ज्यादा नहीं रह गई है। देखना होगा कि प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए ऐसे मोहरे की तलाश कब पूरी होती है।

समन्वय से किए जा सकते हैं बड़े से बड़े कार्य : सीएम योगी

» गोरखपुर में कुलपतियों संग रखे अपने विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि किसी भी बड़े कार्य को सकुशल और सफलतम रूप में सम्पन्न करने के लिए समन्वय की जरूरत होती है। जब तक समन्वय नहीं होगा तब तक कोई उपलब्धि पूर्ण कार्य संभव नहीं हो सकता। मैंने व्यक्तिगत जीवन में इसे आजमाया है, तभी इंसेफेलाइटिस के उन्मूलन जैसे कार्य संभव हो सके हैं।

मुख्यमंत्री गोरखनाथ मंदिर में गोरखपुर के सभी चार विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से बातचीत में बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा, नैक का ए ग्रेड हासिल करने की उपलब्धि को लेकर मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विभागीय समन्वय का ताजा उदाहरण है। अन्य कुलपतियों से उन्होंने कहा कि वह प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की कार्यशैली का अनुसरण करें। नैक मूल्यांकन के लिए वहां से मार्गदर्शन और सहयोग लें। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े कार्य के लिए छोटी टीम बनाए, जिससे नेतृत्व को उसके साथ समन्वय बनाने में आसानी हो। छोटी टीम के साथ लक्ष्य पर फोकस करना भी आसान हो जाता है। विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कार्य करें। उन्होंने कुलपतियों से कहा कि वह अपने-अपने विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कार्य करें। अध्यापन के लिए लक्ष्य आधारित योजना बनाएं और उनका क्रियान्वयन करें।

सैनिकों को सिक्योरिटी गार्ड बनाने की सोच विजयवर्गीय को मुबारक : वरूण गांधी

» अपनी ही पार्टी के नेता को बीजेपी सांसद ने घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने अपनी ही पार्टी के नेता कैलाश विजयवर्गीय के उस बयान का कड़ा विरोध किया है, जिसमें उन्होंने पार्टी दफ्तर के आगे अग्निवीरों को सिक्योरिटी गार्ड रखने में प्राथमिकता देने की बात कही है। वरुण ने कहा कि सेना देशभक्ति का एक सशक्त माध्यम होती है। भारतीय सैनिकों की वीर गाथाओं को इतिहास भी अपने में समेट नहीं पाता है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग ऐसे देश भक्तों को सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम करते हुए देखना चाहते हैं।

भाजपा नेता के बयान पर विवाद ऐसे समय में हुआ है जब अग्निपथ योजना का पूरे देश में विरोध हो रहा है। कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि अग्निवीरों को सेना से रिटायरमेंट मिलने के बाद भी रोजगार के अवसरों की कमी नहीं रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि यदि इस दफ्तर के बाहर उन्हें किसी को सिक्योरिटी गार्ड के रूप में नियुक्त करना है तो वे अग्निवीर जवानों को प्राथमिकता देंगे। वरुण गांधी ने उनके इसी बयान पर निशाना साधा है। वरुण गांधी ने एक ट्वीट करते हुए कहा है कि भारतीय सेना के जवानों की वीर गाथाओं को व्यक्त करने में समूचा शब्दकोश अपर्याप्त साबित होता है।

खाते में नहीं पहुंचा यूनीफॉर्म का पैसा, सीएम योगी को शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर पर बड़ी संख्या में अभिभावकों ने शिकायत की है कि हमें हमारे बच्चों के यूनीफार्म, स्कूल बैग, स्वेटर व जूता-मोजे के लिए धन बैंक खाते में नहीं मिला। प्रदेश सरकार पिछले शैक्षिक सत्र से प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को यूनीफार्म, स्कूल बैग, स्वेटर व जूता-मोजे खरीदने के लिए अभिभावकों के बैंक खाते में 1100 रुपये प्रति छात्र-छात्रा भेज रही है। डीबीटी योजना के तहत करीब डेढ़ करोड़ छात्र-छात्राओं के अभिभावकों को धन भेजने का दावा किया जा रहा है। पहली जून तक मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर को जिलेवार एक लाख 86 हजार 301 अभिभावकों का फीडबैक मिला, इसमें करीब 20 फीसदी ने पैसा नहीं मिलने की शिकायत की।

आजमगढ़ का नाम अब होगा आर्यमगढ़!

» मुख्यमंत्री ने आजमगढ़ में चुनावी सभा में दिए संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के पहले कार्यकाल में इलाहाबाद तथा फैजाबाद का नाम बदलने के बाद अब बारी आजमगढ़ की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका संकेत भी दे दिया है। आजमगढ़ में उन्होंने दो जनसभा को भी संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल में आजमगढ़ का नाम आर्यमगढ़ हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आजमगढ़ में आजमगढ़ लोकसभा उप चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ के पक्ष में दो चुनाव सभा को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि आजमगढ़ को आर्यमगढ़ बनाने की प्रक्रिया के साथ जुड़ने का अवसर आपके पास आया है, चूकिएगा मत। आजमगढ़ को आतंकगढ़ मन बनने दीजिएगा। ईश्वर ने आपको अवसर दिया है। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे तो आजमगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास की रीढ़ बनने वाला है। यह केवल आवागमन का माध्यम नहीं है, बल्कि यहां के विकास की धुरी बनने वाला है। आजमगढ़ में एयरपोर्ट नहीं था, हम लोगों ने एयरपोर्ट दिया है। महाराजा सुहेलदेव जी के नाम पर विश्वविद्यालय का निर्माण हो रहा है, जिसका शिलान्यास अमित शाह ने किया था।

केंद्र व प्रदेश सरकार किसानों व गरीबों की हितैषी : बालियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुजफ्फरनगर में शाहपुर क्षेत्र के गांव उमरपुर में केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान ने शाहपुर पलडी मार्ग से लेकर आदमपुर तक दस किलोमीटर लंबाई की सड़क निर्माण का शिलान्यास किया। साथ ही कई गांवों में विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया।

उन्होंने कहा कि किसानों के ट्यूबवेल पर लगे बिजली के मीटर की रीडिंग के आधार पर बिल नहीं वसूले जाएंगे। डॉ. संजीव ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार किसानों, गरीबों की हितैषी है। सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य किए जा रहे हैं। सामूहिक विवाह योजना, फ्री राशन, फ्री शौचालय, आवास के अलावा किसान सम्मान निधि योजनाएं लागू की गई हैं। इनमें कोई भेदभाव नहीं है। पूर्व की प्रदेश व केंद्र की सरकारों में जाति व समुदाय विशेष के लिए योजनाएं लागू होती थीं। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों के बिजली बिल आधे कर दिए हैं। ट्यूबवेल के बिल फ्री करने को लेकर मंथन चल रहा है।

रामपुर के बाद आजम खां ने आजमगढ़ में अखिलेश को दी मजबूती

» सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव का कर रहे प्रचार

» 23 जून को लोक सभा उपचुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां आजमगढ़ दौरे पर हैं। वे वहां सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं। आजम खां रामपुर के बाद आजमगढ़ में भी अखिलेश को मजबूत करने में जुटे हैं। आजमगढ़ में खुलकर लोग आजम को अपना नेता मानते हुए जय अखिलेश के नारे लगा रहे हैं। आजम खां के दौरे के बाद सपा वहां और मजबूत हुई है। आजम ने सपा प्रत्याशी धर्मेन्द्र यादव के पक्ष में मुबारकपुर और बिलरियागंज में लोक सभा उपचुनाव के लिए जनसभा को संबोधित किया।

विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ सभाएं भी की। उनका एक ही नारा था कि अखिलेश मजबूत होंगे तो हम भी मजबूत होंगे। लोगों ने उनकी इस बात का समर्थन किया। आजमगढ़ में वह आठ साल बाद किसी राजनीतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। इस दौरान उनके साथ बेटे अब्दुल्ला आजम भी रहें। यहां 23 जून को वोट डाले जाएंगे। आजम खान इससे पहले 2014 के लोक सभा चुनाव के दौरान आजमगढ़ आए थे। वह जिले के आईआईटी मैदान में आयोजित देश बनाओ-देश बचाओ रैली में शामिल हुए थे। सपा की उस ऐतिहासिक रैली का शुभारंभ भी आजमगढ़ जिले से 29 अक्टूबर 2013 को हुआ था।

हॉट सीट बन गई है आजमगढ़

23 जून को आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। हालांकि चुनाव रामपुर सीट पर भी हो रहा है, लेकिन सपा के लिए आजमगढ़ हॉट सीट बन गई है। यह उपचुनाव सपा के लिए इतना महत्वपूर्ण हो गया है कि पार्टी ने प्रदेश भर के अपने नेताओं की पूरी फौज ही उतार दी है। दरअसल, अखिलेश यादव ने करहल सीट से विधायक चुने जाने के बाद आजमगढ़ लोक सभा सीट से इस्तीफा दे दिया था। 2022 विधान सभा चुनाव में सपा ने आजमगढ़ की 10 की 10 विधान सभा सीटें जीती थी। आजमगढ़ लंबे समय से सपा का गढ़ रहा है और पार्टी किसी भी कीमत पर 2024 के लोक सभा चुनाव से पहले इस सीट को गंवाना नहीं चाहती क्योंकि उसे ये भी पता है अगर यह उसके हाथ से निकल गई तो बीजेपी 2024 के लोक सभा चुनाव में इसके जरिए मतदाताओं को मैसेज देने का काम करेगी।

अबू आजमी ने चार दिन से डाल रखा है डेरा

2022 के विधान सभा चुनाव में सपा के वरिष्ठ नेता अबू आजमी सपा के कार्यक्रमों में दूर-दूर तक नजर नहीं आए। पर इस उपचुनाव में सपा ने मुस्लिम समाज के नेताओं को मैदान में उतार दिया है। इसका भी प्रमुख कारण बसपा प्रत्याशी शाह आलम गुड्डू जमाली हैं। गुड्डू जमाली बसपा के सिंबल पर मैदान में हैं। अबू आजमी जिले में चार दिन तक सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव के पक्ष में जनसंपर्क करते नजर आए। वहीं मऊ सदर से विधायक माफिया मुख्तार के बेटे अब्बास अंसारी ने मुबारकपुर क्षेत्र में सपा प्रत्याशी धर्मेंद यादव के लिए प्रचार किया।

दो उपचुनावों में मुस्लिम प्रत्याशियों को मिली थी जीत

आजमगढ़ जिले में अभी तक हुए दो उपचुनाव का इतिहास यही रहा है कि मुस्लिम प्रत्याशी ही चुनाव जीतता है। 1977 में हुए उपचुनाव में जहां कांग्रेस से मोहसिना किदवई लोक सभा का उपचुनाव जीती थीं। वहीं 2009 के लोक सभा उपचुनाव में बसपा प्रत्याशी अकबर अहमद डंपी चुनाव जीते थे। हालांकि इस तरह के अपवाद चुनाव में बनते और बिगड़ते रहते हैं।

बूथ जिताने के संकल्प के साथ जिम्मेदारी निभाएं

पंचायती राज विभाग के कैबिनेट मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह ने आजमगढ़ उपचुनाव को लेकर कहा कि संचालन समिति में वरिष्ठ पदाधिकारी जिम्मेदारी को पूरी तरीके से अंजाम दें। वोटर पर्चियां मतदाताओं तक अवश्य पहुंचाए। संपर्क के कार्य को भी तीव्रता से पूर्ण करें। बूथ की भाजपा टीम सक्रिय होकर चुनाव को गति प्रदान करें। मेरा बूथ सबसे मजबूत- दिशा में काम करते हुए अपने बूथ को जिताने का संकल्प लें। उन्होंने कहा, पूरी ईमानदारी से कार्य करेंगे तो अवश्य ही जीत आपकी होगी एवं लोक सभा में आपका प्रत्याशी आपका प्रतिनिधित्व करेगा। चमरौआ विधान सभा क्षेत्र के काशीपुर गांव में श्याम बैंकट हाल में विधान सभा संचालन समिति की बैठक में समीक्षा की। वहीं चुनाव के बारे में चर्चा वार्ता की। यहां उन्होंने कहा कि पूरी ईमानदारी से कार्य करेंगे तो अवश्य ही जीत होगी। लोक सभा में पार्टी का प्रत्याशी ही प्रतिनिधित्व करेगा।

मिशन 2024 की तैयारी में जुटी भाजपा, बूथ को मजबूत करने की बनायी रणनीति

» भाजपा सांसदों को सौ-सौ बूथों की जिम्मेदारी, मिशन 75 पर फोकस

» लाभार्थियों को साधकर जंग जीतने की रणनीति, चलेगा जनसंपर्क अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा अभी से 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुट गयी है। यूपी में 80 में 75 सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए लोक सभा व राज्य सभा सदस्यों को सौ-सौ बूथ मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों को साधकर बूथ मजबूत किए जाएंगे। सांसद लाभार्थियों से नियमित संपर्क व संवाद भी करेंगे। योजनाओं से वंचित परिवारों को लाभांवित कराने का अभियान भी चलेगा।

पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व बूथ सशक्तीकरण अभियान के प्रभारी बैजयंत पांडा ने बताया कि 2019 के लोक सभा चुनाव में भाजपा को 1.63 लाख बूथों में से करीब 1.25 लाख पर जीत मिली थी। पार्टी ने बूथवार परिणाम के आधार पर उन्हें ए, बी और सी श्रेणी में बांटा है। एक लोक सभा क्षेत्र में 4-5 विधान सभा क्षेत्र हैं। प्रत्येक सांसद को उनके संसदीय क्षेत्र के हर विधान सभा क्षेत्र में 25-25 कमजोर बूथों पर लगातार प्रवास करना होगा। इसमें स्थानीय कार्यकर्ताओं, बूथ कमेटी व विधायकों उनकी मदद करेंगे। प्रत्येक सांसद को पहले चरण में सौ-सौ बूथों पर प्रवास, संपर्क व संवाद कर वहां की कमजोरी का पता लगाकर उनका समाधान करना होगा। लाभार्थियों से संपर्क कर उन्हें पार्टी से जोड़ना होगा। 18 जुलाई से संसद का मानसून सत्र शुरू हो सकता है। ऐसे में बूथ सशक्तीकरण का पहला चरण उससे पहले पूरा कर लिया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि पार्टी 2024 में यूपी में 75 सीटें जीतकर देश में लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाएगी।

हारी हुई सीटों पर विशेष फोकस

भाजपा को पिछले लोक सभा चुनाव में 80 में से 64 सीटें मिली थीं जबकि बसपा को दस, सपा को पांच और कांग्रेस को एक सीट मिली थी। भाजपा ने बसपा के कब्जे वाली सीटों के लिए अलग से रणनीति बनानी शुरू कर दी है क्योंकि यह पार्टी लगातार कमजोर हो रही। अमेठी के बाद इस बार रायबरेली को भी कांग्रेस से छीनने की योजना है। सपा के कब्जे वाली सीटों पर भी पार्टी नए सिरे से काम करेगी।

आयोजित किए जाएंगे कार्यक्रम

पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, 25 जून को आपातकाल की बरसी और 6 जुलाई को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर पर्यावरण संरक्षण दिवस के कार्यक्रमों को भी बूथ स्तर तक आयोजित करने को कहा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जल संकट और खाद्य सुरक्षा

बेहतर मानसून के बावजूद भारत में जल संकट गहराता जा रहा है। भूमिगत जल स्तर में तेजी से गिरावट हो रही है। यदि यही हाल रहा तो निकट भविष्य में कृषि भूमि के लिए सिंचाई का संकट उत्पन्न हो जाएगा। इसका सीधा असर फसलों के उत्पादन पर पड़ेगा और निकट भविष्य में यह खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा बन जाएगा। सवाल यह है कि जल संकट को लेकर देश-प्रदेश की सरकारें गंभीर क्यों नहीं हैं? भूगर्भ जल के अंधाधुंध दोहन पर लगाम क्यों नहीं लगायी जा रही है? वर्षा जल संरक्षण के आदेश कागजों पर दम क्यों तोड़ रहे हैं? सिंचाई के अभाव से क्या बढ़ती आबादी को पर्याप्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो पाएगा? क्या भारत की अर्थव्यवस्था और खेती पर इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा? कृषि भूमि के लिए पानी की लगातार बढ़ रही मांग की पूर्ति कैसे होगी? क्या सरकार ने इस संकट से निपटने के लिए कोई रणनीति बनायी है?

देश में आबादी बढ़ती जा रही है। इसको भोजन उपलब्ध कराने के लिए कृषि उपजों के उत्पादन में लगातार वृद्धि जरूरी है। कृषि उपजों के लिए सिंचाई जरूरी है और यह पिछले सौ साल में दोगुनी हो चुकी है। भारत में सिंचाई के लिए मानसूनी बारिश के अलावा अन्य साधनों पर किसान निर्भर रहते हैं। नहरों के अलावा भूमिगत जल से भी फसलों की सिंचाई की जाती है। देश में भूमिगत जल का अंधाधुंध दोहन हो रहा है। लिहाजा इसका स्तर लगातार कम हो रहा है। कई शहरों के डार्क जोन में जाने का खतरा बढ़ गया है। वहीं वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून में भी बदलाव हो रहे हैं। अतिवृष्टि और अनावृष्टि दोनों ही कृषि के लिए नुकसानदेह हैं। वहीं ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भूमि की जैविक परत को भी क्षति पहुंच रही है। इससे जमीन की उत्पादन क्षमता पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। ऐसे में स्थितियां लगातार विकट होती जा रही हैं। हालांकि जल संरक्षण के लिए सरकार ने शहरों की इमारतों में वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का नियम बनाया है लेकिन यह जमीन पर कहीं नहीं दिखता है। अधिकांश वर्षा जल नालों के जरिए नदियों में बह जाता है। वहीं गांवों में कुओं और तालाबों की घटती संख्या के कारण भी वर्षा जल संरक्षित नहीं हो पाता है। ऐसे में भूमिगत जल रिचार्ज नहीं हो पाता है और वह साल-दर-साल घटता जाता है। यदि सरकार जल संकट से बचना चाहती है तो उसे न केवल वर्षाजल का संरक्षण करना होगा बल्कि भूमिगत जल के दोहन को भी रोकना होगा। साथ ही जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार कारकों पर भी वैश्विक देशों के साथ मिलकर लगाम लगानी होगी अन्यथा खाद्य सुरक्षा का खतरा बढ़ जाएगा।

बेहतर मानसून के बावजूद भारत में जल संकट गहराता जा रहा है। भूमिगत जल स्तर में तेजी से गिरावट हो रही है। यदि यही हाल रहा तो निकट भविष्य में कृषि भूमि के लिए सिंचाई का संकट उत्पन्न हो जाएगा। इसका सीधा असर फसलों के उत्पादन पर पड़ेगा और निकट भविष्य में यह खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा बन जाएगा। सवाल यह है कि जल संकट को लेकर देश-प्रदेश की सरकारें गंभीर क्यों नहीं है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ग्लोबल इकोनॉमी पर भारी पड़ता रूस-यूक्रेन युद्ध

राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार ग्लोबल इकोनॉमी पर रुस-यूक्रेन युद्ध का असर तेजी से दिखाई देने लगा है। एक ओर दुनिया के अनेक देशों के सामने खाद्यान्न संकट मुंह बाएं खड़ा है तो दूसरी ओर आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह से प्रभावित हो रही हैं। कोविड त्रासदी के बावजूद 2021 में जिस तरह से दुनिया के देशों ने आर्थिक मंदी को पटरी पर लाने के प्रयास किए थे वह 2022 के शुरुआती पांच महीनों में ही धुल गया है।

वैश्विक आंकड़ों के मुताबिक भारत, अमेरिका, रुस, चाइना, जापान, इंग्लैण्ड, फ्रांस, डेनमार्क सहित अधिकांश देशों में इन पांच माह में आर्थिक सुधार की रेट में उल्लेखनीय कमी देखी जा रही है। रूस में सबसे अधिक -12.7 प्रतिशत रिकवरी रेट कम रही है तो भारत और अमेरिका में -1.2 प्रतिशत, डेनमार्क में 2.2, जापान में 1.7, फ्रांस में 1.8, इंग्लैण्ड में 1.1, इंडोनेशिया में 0.5 तो चाइना में 0.7 फीसदी निगेटिव रही है। दरअसल रूस सीधे युद्ध से जुड़ा हुआ है ऐसे में वहां की निगेटिव रेट साफ है पर अन्य देशों की निगेटिव रेट ग्लोबल इकोनॉमी के लिए गंभीर चिंतनीय है। जब रुस-यूक्रेन में युद्धारंभ हुआ था तब दुनिया के देश ही नहीं अपितु रूस ने भी नहीं सोचा था कि यह युद्ध इतना लंबा खिंच जाएगा। लाख प्रयासों के बाद भी रूस यूक्रेन को सरेंडर नहीं करा सका है और उसका खामियाजा रूस और यूक्रेन के नागरिक तो भुगत ही रहे हैं बल्कि आज सारी दुनिया इससे प्रभावित हो रही है। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं का निर्यातक देश यूक्रेन आज गेहूं भेजने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में गेहूं को लेकर दुनिया के देश संकट में घिर गए है। युद्ध के कारण खनिज और खाद्य तेल का संकट उत्पन्न हो गया है। दरअसल, कहने को यह युद्ध रूस यूक्रेन के बीच हो रहा हो पर इसका प्रभाव ग्लोबल पड़ रहा हैं। हांलाकि यूक्रेन को दुनिया के देशों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है पर यह कोई समस्या का समाधान नहीं है। यूक्रेन में अब तक दुनिया के देशों के 50 से अधिक बड़े नेता जाकर मोरल सपोर्ट दे चुके हैं। वार जोन में फ्रांस के राष्ट्रपति, जर्मनी के चांसलर और इटली के प्रधानमंत्री गए हैं। हालांकि यह मोरल सपोर्ट ही है पर समस्या का समाधान कहीं दिखाई नहीं दे रहा। 2019 से चले कोरोना संकट ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। कोरोना के एक के बाद एक आते वेरियंट्स ने बुरी तरह से प्रभावित किया है। लंबे लॉकडाउन के दौर से दुनिया

एक तरह से ठहर ही गई। एक समय तो लोग घर में ही बंद होकर रह गए तो आर्थिक गतिविधियों का प्रभावित होना स्वाभाविक है। इतना सबकुछ होने और कोरोना का भय आज भी व्याप्त होने के बावजूद 2021 में दुनिया के देशों ने अर्थ व्यवस्था को पटरी पर लाने के प्रयास किए और प्रयासों के सार्थक परिणाम भी सामने आए। पर रूस-यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थ व्यवस्था को दूसरी तरह से प्रभावित कर दिया है। भारत ने अवश्य तटस्थ रहकर कुछ प्रयास किए हैं बाकि दुनिया के दिग्गज देशों ने युद्ध के इस संकट को खत्म करने के जिस तरह के प्रयास किए जाने चाहिए थे वे नहीं किये और उसका परिणाम यह रहा कि एक और युद्ध के कारण निरपराध नागरिक शिकार हो रहे हैं तो दूसरी ओर प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सभी देशों पर प्रभाव पड़ रहा है। खाद्यान्नों और तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। कई देशों की अर्थव्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित होने लगी है। दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्ति के कोई आसार भी नहीं दिखाई दे रहे हैं। इस लड़ाई में कोई एक देश नहीं अपितु सारी दुनिया प्रभावित हो रही है। दुनिया के विकास की रफ्तार को निगेटिव दिशा में ले जाया जा रहा है। सही मायने में अब हमें अत्याधुनिक कहलाने का हक भी नहीं रह गया है क्योंकि जिस तरह से विनाश का रास्ता अपनाया जा रहा है उसके परिणाम अच्छे हो ही नहीं सकते। सर्व शक्ति संपन्न समझ रहे इंसानों को कोरोना ने उसकी हैसियत बता दी है। उसके बावजूद हमारी अकड़ बरकरार है। हालांकि कोविड वैश्विक महामारी है और उसके आगे इंसान भी बेबस था पर रूस-यूक्रेन का युद्ध तो मानवजनित मानव की महत्वाकांक्षाओं का युद्ध है जिसे होने न होने देना दोनों देशों के हाथ में होने के बावजूद कुछ भी नहीं किया जा पा रहा है। दुनियां के देशों के साथ-साथ सब देशों ने अपनी हैसियत देख ली है एक दूसरे का दमखम देख लिया है। अब यह समझ से परे हैं कि और क्या देखना है? ऐसे में जितनी जल्दी हो सके दोनों देशों के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त कराना ही आज की आवश्यकता व मानवता के लिए जरुरी हो गया है। अब एक दूसरे को उकसाने के स्थान पर किसी भी तरह से इस युद्ध को समाप्त कराना ही लक्ष्य होना चाहिए अन्यथा जो हालात बन रहे हैं वह दुनिया के लिए अच्छे हालात नहीं कहे जा सकते।

सामुदायिक प्रयासों से ही कारगर समाधान

मोहिन्द्र सिंह

नशीली दवाओं के दुरुपयोग से आज पूरा विश्व चिंतित व प्रभावित है और जहां तक भारत का प्रश्न है, यहां यह समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। इसके दुष्प्रभाव से सरकार, समाज व आम आदमी परेशानी का सामना कर रहा है। नशे से ज़्यादा प्रभावित राज्यों में मणिपुर, केरल, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, गोवा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, हरियाणा तथा पंजाब शामिल हैं। नशेड़ियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही है। उन्हें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा आर्थिक पहलुओं से भारी नुकसान उठाना पड़ता है। फिर भी वे इस लत से छुटकारा नहीं पाना चाहते।

देखने में आया है कि अवैध ड्रग्स का प्रयोग अक्सर 15 से 75 वर्ष के आयु वर्ग द्वारा किया जाता है। आज तक डॉट इन के अनुसार, 'भारत में 2018 में दर्ज किया कि ओपिओइड का इस्तेमाल करने वालों की संख्या करीब 2.3 करोड़ है, यह संख्या चौदह सालों में पांच गुना बढ़ी है। इस दौरान हेरोइन की खपत में अधिकतम वृद्धि दर्ज की गई, 2004 में अफीम का इस्तेमाल करने वालों की संख्या (20,000), हेरोइन लेने वालों की (9,000) की तुलना में दोगुनी थी। करीब 12 साल बाद यह रुझान उलट गया और हेरोइन यूजर्स की संख्या 2.5 लाख हो गई।' नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो के महानिदेशक के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में देश में पकड़ी गई हेरोइन में काफी बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2017 में 2146 किलोग्राम से बढ़कर 2021 में 7282 किलोग्राम हो गई। लगभग 300 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसी समय के दौरान अफीम 2551 किलोग्राम से 4386 किलोग्राम यानी कि 172 प्रतिशत बढ़ी। इन मादक पदार्थों का उपयोग अमीर परिवारों के युवाओं, ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के अलावा महिलाओं और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों द्वारा किया जाता है। ज्यादातर अमीरजादे नशा करने के लिए बड़ी-बड़ी पार्टियों के आयोजन में हिस्सा लेते हैं, जिसे रेव पार्टी के नाम से पुकारा जाता है।

नि:संदेह नशीले पदार्थों के सेवन से शारीरिक कमजोरी बढ़ती है, सस्ते नशे की वजह से कैंसर जैसी भयानक बीमारी का सामना करना पड़ता है। वैसे ड्रग्स से पीछा छुड़ाना आसान कार्य नहीं है बल्कि यह कई बार तो इतना ख़तरनाक होता है कि अगर जबरदस्ती से इसकी लत को छुड़वाने की कोशिश की जाए तो यह नशेड़ी की मौत का कारण भी बन जाती है। नशा मुक्ति में परिवार की भूमिका अति आवश्यक तथा महत्वपूर्ण होती है। यदि परिवार अपने बच्चों की ऐसी गतिविधियों पर नजर न रखें तो धीरे-धीरे वे बच्चे बुरी संगत में पड़ सकते हैं और अपने साथियों के साथ मिलकर छोटे-छोटे नशे करने का प्रयास करने लगते हैं। ऐसे में परिजनों को चाहिए कि अपने बच्चे के साथ समय बिताएं तथा अच्छे संस्कार दें। उसकी दिनचर्या अनुशासित व नियमित करने के लिए कदम उठाए जाएं। समय -समय पर मनोवैज्ञानिकों व मनोचिकित्सकों से संपर्क कर उसकी काउंसलिंग कराई जाए। आवश्यकता पड़ने पर उसे अच्छे नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया जाए जहां उसका पूर्ण रूप से इलाज हो। उसको कभी अकेला न छोड़ा जाए तथा जब कभी वह अकेला महसूस करे तो अच्छे लोगों से संपर्क कराया जाए जो उसमें अच्छे गुण पैदा करने में योगदान दें।

समुदाय की सक्रिय भूमिका नशे से निजात दिलवाने में जरूरी है क्योंकि इसमें समस्त समाज, अधिकारी तथा कर्मचारी सभी शामिल हैं। सभी के साथ व सहयोग से नशे उपलब्ध कराने वालों पर सख्त नजर रखते हुए तुरंत कार्रवाई करवाने या करने में पूर्ण सहयोग देना चाहिए। स्वयंसेवी संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, सिविल सोसायटियों, ग़ैर-सरकारी संगठनों, पंचायतों व शहरी निकायों के प्रतिनिधियों, युवा क्लबों, विद्यार्थी संगठनों, शिक्षकों, आंगनवाड़ी कर्मचारियों, नेहरू युवा क्लबों, मानव कल्याण समितियों, खाप पंचायतों तथा सरकारी कर्मचारियों को नशा मुक्ति अभियान में तन, मन, धन से योगदान देना चाहिए। नशे के प्रयोग पर रोक लगाने के लिए जागरूकता पैदा करनी आवश्यक है। सामुदायिक रूप से सभी यह प्रण लें कि वह न तो स्वयं नशा करेंगे और न ही अन्य किसी और को इसको करने की इजाजत देंगे। इससे सब अपनी-अपनी छवि साफ-सुथरी बना सकेंगे और शेष लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत बन सकेंगे।

समुदाय को आर्थिक सहयोग देने के लिए भी आगे आना चाहिए ताकि चल रहे नशा मुक्ति केंद्रों को समृद्ध बनाया जा सके। सरकारी सहयोग से धीरे-धीरे करके नशामुक्त क्षेत्रों की घोषणा की जाए और अमलीजामा पहनाया जाए। पीड़ितों के पुनर्वास के लिए उचित कौशल पैदा कर ऐसी व्यवस्था की जाए कि वे अपने पांवों पर फिर से खड़े हो सकें। कानूनों को सख्ती से लागू करने में पूर्ण सहयोग सत्यनिष्ठा से दिया जाए। इसकी अवहेलना करने वालों को सबक सिखाया जाए ताकि वह ऐसी गलती दोबारा न करें। जो व्यक्ति नशा छोड़ अपनी जिंदगी में सही रास्ते पर आ चुके हैं उनको नशा प्रभावित लोगों को नशा छोड़ने या मुक्ति पाने के ढंग व विधियां सिखाकर अभिप्रेरित करना चाहिए। ऐसे व्यक्तियों को विशेष समारोह आयोजित कर सम्मानित किया जाना चाहिए ताकि वे दूसरों के लिए मिसाल बन सकें।

योग क्रिया से कम करें बढ़ता हुआ वजन

योगासन

हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस दिन दुनियाभर में योग से जुड़े कई तरह के आयोजन किए जाते हैं। योग भारत की ओर से पूरी दुनिया को दी गई एक अनमोल धरोहर है। एक स्वस्थ शरीर के लिए योग काफी महत्वपूर्ण है। योग के जरिए आपके शरीर में कई तरह के अच्छे बदलाव देखने को मिलते हैं। शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग काफी अच्छा माना गया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से एक दिन पहले शिक्षिका व योगाविद् शोभना श्रीवास्तव आपको कुछ ऐसे योगासनों के बारे में बताने जा रही हैं, जिससे आप अपना वजन कम कर सकते हैं। क्योंकि बढ़ता हुआ वजन आजकल के समय में काफी आम समस्या हो चुकी है। वजन कम करने के लिए लोग कई तरीके अपनाते हैं लेकिन इसके बावजूद भी कोई असर नहीं दिखता। ऐसे में आइए जानते हैं योगासन की किन क्रियाओं से वजन हो सकता है कम।

वजन कम करने के लिए योग बेहतर विकल्प

योगाविद शोभना श्रीवास्तव बताती हैं कि योग से वजन कम करने में मदद मिलती है या नहीं इस पर लोगों की अपनी अलग-अलग राय है। योग के साथ जब आप हेल्दी डाइट लेते हैं तो इससे वजन कम करने में मदद मिल सकती है। वजन कम करने के साथ ही इससे आपका दिमाग और शरीर भी हेल्दी रहता है। ऐसे में अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो आपको योग के साथ ही हेल्दी डाइट भी लेनी जरूरी होती है।

चतुरंग दंडासन

चतुरंग दंडासन आपके पेट को मजबूत करने का सबसे अच्छा तरीका है। यह देखने में जितना आसान लगता है, इसके फायदे उतने ही ज्यादा हैं। जब आप इस मुद्रा में होते हैं, तभी आपको अपने पेट की मांसपेशियों में इसकी तीव्रता महसूस होने लगती है।

वीरभद्रासन

अगर आप अपनी जांघों और कंधों को टोन करना चाहते हैं तो ये आसन आपकी मदद कर सकते हैं। वीरभद्रासन करने के कुछ ही मिनटों के बाद आपको टाइट क्वाड मिलेंगे। ये योगासन आपके पीठ के एंड, पैरों और बाहों को टोन करने के साथ-साथ आपके बैलेंस को बेहतर बनाता है।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन पाचन में सुधार करने के साथ-साथ पेट और कमर में जमा चर्बी को कम करने में मदद करता है। यह पूरे शरीर में ब्लड फ्लो को बढ़ाता है और सुधारता है। इस आसन को करने से कमर की आसपास की जगह से फैट बर्न होता है। यह आसन संतुलन और एकाग्रता में भी सुधार करता है।

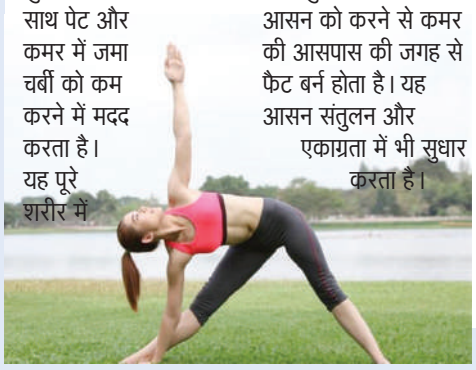

अधो मुख श्वानासन

इस आसन को करने से पेट की निचली मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। साथ ही यह आसन रीढ़ की हड्डी को भी सहारा देता है। यह आसन मांसपेशियों को मजबूती देने में मदद करता है। इस करने से एकाग्रता और ब्लड सर्कुलेशन सही होता है।

सर्वांगासन

सर्वांगासन करने से पाचन में सुधार होने के साथ ही शरीर को ताकत भी मिलती है साथ ही यह आसन मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने के साथ ही थायरॉइड के लेवल को संतुलित करने के लिए जाना जाता है। यह आसन पेट की मांसपेशियों और पैरों को मजबूत करता है और श्वसन प्रणाली में सुधार करता है।

योगासन से पहले वॉर्मअप जरूरी ताकि शरीर खुल जाए

योगाविद शोभना श्रीवास्तव कहती हैं कि योग को सूर्योदय से पहले और सूर्यास्त के बाद करना चाहिए। सुबह जल्दी उठकर योग करना अधिक फायदेमंद होता है। योगासन से पहले हल्का वॉर्मअप करना जरूरी है, ताकि शरीर खुल जाए। योग की शुरुआत हमेशा ताड़ासन से ही करनी चाहिए। सुबह योगासन खाली पेट करना चाहिए। पहली बार योगासन करने वालों को शुरुआत में हल्के योग के आसन करने चाहिए। फिर जैसे-जैसे इनके अभ्यस्त हो जाएं, तो अपने स्तर को बढ़ाते जाएं। इस दौरान प्रशिक्षक की मदद लेना जरूरी है। साथ ही योग करने के आधे घंटे बाद ही कुछ खाएं। योगासन करने के तुरंत बाद नहीं नहाना चाहिए, बल्कि कुछ देर इंतजार करना चाहिए। योग करते समय नकारात्मक विचारों को मन से निकालने का प्रयास करें।

कहानी — किसके लिए

एक दिन अकबर दरबार में आये, तो वह बहुत गुस्से में थे। कोई कुछ भी पूछता तो वह गुस्से में ही उत्तर देते। दरबारी समझ गये कि आज बादशाह का मूड ठीक नहीं है। दरबार समाप्त होने पर बीरबल ने अकबर से उनके गुस्से का कारण पूछा। अकबर ने कहा, अरे, छोड़ो न इस बात को! मेरा दामाद बड़ा पाजी है। मैं गुस्सा न करूं तो क्या करूं? हमेशा उल्टी-सीधी हरकतें करता रहता है। अब देखो न, अपनी बेटी से मिले हुए मुझे एक वर्ष हो गया है फिर भी मेरा दामाद उसे नहीं भेजता। अकबर ने गुस्से से कहा। जहांपनाह, इसमें इतना नाराज होने वाली क्या बात है? मैं आज ही बेटी को लाने के लिए आदमी भेज देता हूं। आदमी तो मैंने भी भेजा था, पर दामाद मानता ही नहीं। वास्तव में यह दामाद जाति होती ही बहुत खराब है। अब तुम एक काम करो। मैदान में कुछ सूलियां तैयार करवाओ। हम अपने राज्य के सभी दामादों को सूली पर चढ़ा देंगे। बीरबल ने बादशाह अकबर को बहुत समझाया फिर भी उनका गुस्सा शान्त नहीं हुआ। वह कोई बात सुनने को तैयार नहीं थे। आखिरकार बीरबल ने एक मैदान में कुछ सूलियां तैयार करा दी। जब बीरबल अकबर को मैदान में सूलियां दिखाने ले गये, तो सूलियां देखकर बादशाह को तसल्ली हो गयी। वह बोले ठीक है, अब मैं अपने राज्य से दामादों का नामोनिशान मिटा दूंगा। इतने में एक सोने और एक चांदी की सूलियों पर अकबर की नजर पड़ी तो वे चौंके। उन्होंने बीरबल से पूछा, अरे बीरबल, तुमने ये दो कीमती सूलियां किसके लिए बनावायी हैं? बीरबल ने सिर झुकाकर कहा, हुजूर! सोने की सूली आपके लिए और चांदी की मेरे लिए। बादशाह अकबर सोच में पड़ गये। उन्होंने बीरबल से कहा, मैंने तुम्हें ऐसा करने के लिए कब कहा था? हम दोनों को सूलियों पर थोड़े ही चढ़ना है? जहांपनाह! आपने राज्य के सभी दामादों को सूली पर चढ़ाने के लिए कहा था। आप और मैं भी तो किसी के दामाद हैं। यदि सभी दामाद सूलियों पर चढ़ाए जाएंगे, तो हम भी कहां बच पाएंगे ? आप बादशाह हैं, इसलिए आपके लिए सोने की सूली बनवायी और मैं आपका खास आदमी हूं, इसलिए अपने लिए चांदी की सूली बनवाई है। देखें, दोनों सूलियां कितनी अच्छी बनी हैं? बीरबल की बात सुनकर बादशाह अकबर सन्न रह गये। उन्हें अपनी भूल समझ में आ गयी। उन्होंने फौरन राज्य के दामादों को सूलियों पर चढ़ाने का आदेश रद्द कर दिया।

शिक्षा : जब आप लोगों को गुस्से और जल्दी में वर्गीकृत करते हैं तो निश्चित कर लें कि आप भी उस श्रेणी में न आ जाए। कोई भी निर्णय लेने से पहले एक बार उस पर विचार कर लें नहीं तो कई बार परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

हंसना मना है

टीचर टिल्लू से- ऑपरेशन से पहले मरीज को बेहोश क्यों किया जाता है? टिल्लू- अगर बेहोश नहीं किया और मरीज ऑपरेशन करना सीख गया, तो डॉक्टरों को कौन पूछेगा। जवाब सुनकर टीचर बेहोश

पत्नी- तुम चुकंदर खाया करो पति- क्यों? पत्नी- इसे खाने से खून अच्छा लाल और गाढ़ा होता है। पति- अच्छा, अब तुम्हें खून भी High Quality का पीना है। टीचर- चल बता...4 और 4 कितने होते हैं? टोलू- 10 होते हैं। टीचर- 8 होते हैं... नालायक टोलू- हम दिलदार घर से हैं....2 मैंने अपने खुद के भी डाले हैं।

डॉक्टर- कैसे हो? शराब पीना बंद किया या नहीं? मरीज- जी डॉक्टर साहब, बिल्कुल छोड़ दिया है। बस कोई ज्यादा रिक्वेस्ट करता है तो पी लेता हूं। डॉक्टर- बहुत बढ़िया... और यह तुम्हारे साथ कौन भाई साहब हैं? मरीज- जी इनको रिक्वेस्ट करने के लिए रखा हुआ है।

8 अंतर खोजें

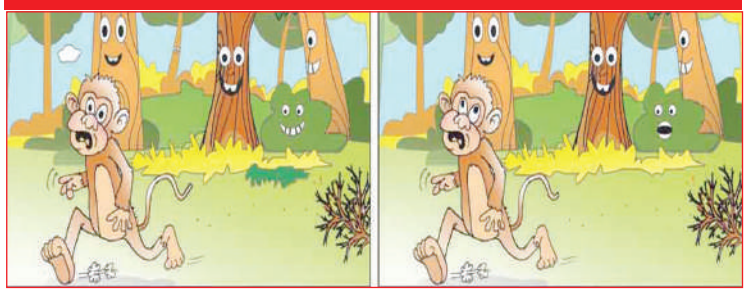

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
सेहत बढ़िया रहेगी। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी लेकिन आर्थिक तौर पर फायदेमंद साबित होगी। अपना अतिरिक्त समय निःस्वार्थ सेवा में लगाएं, यह आपको और आपके परिवार को खुशी देगा।

वृषभ
आज आपका दिन ठीक रहने वाला है। आज आप किसी काम में मित्र का सहारा ले सकते हैं। आज ऑफिस के काम में आपके सामने कई चुनौतियां आएगी, धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के आसार खुलेंगे।

मिथुन
किसी दोस्त के साथ गलतफहमी अप्रिय हालात खड़े कर सकती है, किसी भी फैसले पर पहुंचने से पहले संतुलित नजरिए से दोनों पक्षों को जाँचें। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए।

कर्क
आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज किसी समारोह में जा सकते हैं। इस राशि वाले लोगों का उधार दिया हुआ पैसा आज वापस मिल जाएगा। अपने जीवनसाथी की बातों को गंभीरता से लेंगे।

सिंह
आज आपका मन किसी पुराने मित्र से मिलने का करेगा। आज अगर विवाहित पुरुष जीवनसाथी को साड़ी गिफ्ट करते हैं, तो उनके संबंध अच्छे होंगे। प्रॉपर्टी डीलर वालों के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है।

कन्या
आज के दिन आराम करना जरूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुजरे हैं। नयी गतिविधियां और मनोरंजन आपके लिए विश्राम करने में सहायक सिद्ध होंगे।

तुला
आज का दिन अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए बढ़िया है साथ ही आपका अच्छा व्यक्तित्व सोसाइटी में अलग पहचान बनाने में मदद भी करेगा। जीवनसाथी की मदद से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

वृश्चिक
अपने विचारों को सकारात्मक रखें, क्योंकि आपको डर नाम के दानव का सामना करना पड़ सकता है। नहीं तो आप निष्क्रिय होकर इसका शिकार हो सकते हैं। कुछ ऐसा कीजिए, आपकी कमाई में इजाफा हो।

धनु
दिन घूमने-फिरने में बीतेगा, कहीं लंबी ट्रिप का प्लान बना भी सकते हैं, जिससे परिवार के सभी सदस्यों को आनन्द मिलेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज कोई बड़ा फायदा हो सकता है।

मकर
खर्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। अगर आप अपनी घरेलू जिम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ लोग नाराज हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं।

कुम्भ
आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको थोड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपकी परिवार के किसी सदस्य से अनबन हो सकती है, जिससे आपके काममें थोड़ी रुकावटें आ सकती हैं।

मीन
अपने वजन पर नजर रखें और जरूरत से ज्यादा खाने से बचें। आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएं, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों।

बॉलीवुड | मन की बात

शादी के बाद बदल गया है बेटा रणबीर : नीतू कपूर

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी इस साल का सबसे चर्चित इवेंट रहा। उनकी शादी फैंस के लिए तोहफे से कम नहीं था। शादी के कुछ ही दिनों बाद कपल ने काम पर वापसी कर ली थी। अब रणबीर की मां वेटरन एक्ट्रेस नीतू कपूर ने अपने बेटे और बहू की जिंदगी में आए बदलाव पर बात की है। नीतू ने बताया कि शादी के बाद उनकी जिंदगी कैसी है। नीतू ने बताया कि रणबीर की शादी के बाद अब कैसे उनकी जिंदगी बदल गई है। वे कहती हैं- आज मैं सबसे ज्यादा खुश हूं। उसने रणबीर को ढेर सारा प्यार और खुशी दी है। मैं उसमें (रणबीर) बदलाव देख सकती हूं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि आलिया हमारे परिवार का हिस्सा बनी। तो हां, जिंदगी वाकई बदल गई है और मैं बहुत संतुष्ट हूं। वो टेंशन होता है ना, शादी नहीं हुई, शादी नहीं हुई, अब शादी हो गई। नीतू ने आलिया और रणबीर के प्राइवेट लेकिन लैविश वेडिंग को ट्रेंडसेटर बताया। उन्होंने कहा ये कई और लोगों के लिए उदाहरण सेट करता है। आपको बहुत बड़ी वेडिंग की जरूरत नहीं है। आपको वहां शादी करनी चाहिए, जहां आप खुश हैं और आपका परिवार एंजॉय कर सके। वरना, हम तो दूसरे लोगों को खुश करने में लग जाते हैं। नीतू ने पहले भी कई बार अपनी बहू आलिया की तारीफ की है। वे हमेशा से इस बात को लेकर ओपन रही हैं कि आलिया ने उनके घर में खुशियां लाई है। वहीं आलिया भी अपनी सास नीतू कपूर के लिए ऐसा ही सोचती हैं। बर्थडे हो या कोई और खास मौका आलिया अपनी सास को विश करना और उनके साथ फोटोज शेयर करने का कोई मौका नहीं गंवाती हैं। आलिया और रणबीर दोनों कपल ने 14 अप्रैल को परिवार और दोस्तों के प्रेजेंस में शादी की थी। उनकी शादी में कुछ ही मेहमानों को आमंत्रित किया गया था।

लाखों पर ही सिमट गई शिल्पा की फिल्म 'निकम्मा' की कमाई

बॉलीवुड | मसाला

भाग्यश्री के बेटे अभिनन्यु दसानी, शर्ले सेतिया और शिल्पा शेट्टी की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म निकम्मा लंबे समय से चर्चा में बनी हुई थी। रिलीज से पहले निकम्मा का जमकर प्रमोशन किया गया था। बावजूद इसके निकम्मा पर्दे पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई है। 17 जून को रिलीज हुई फिल्म निकम्मा थिएटर में दर्शक जुटाने में नाकामयाब साबित हुई और बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन एक करोड़ का भी बिजनेस नहीं कर पाई। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने निकम्मा के कलेक्श के बारे में जानकारी दी है। तरूण आदर्श के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन यानी फ्राइडो को सिर्फ 51 लाख का बिजनेस किया है। अब देखना होगा कि फिल्म अगले दो यानी क्या कमाई करती है। निकम्मा को वीकेंड का फायदा मिलता है या नहीं। बता दें कि अभिमन्यु ने साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म मर्द को दर्द नहीं होता में दिखे थे। इस फिल्म के साथ अभिमन्यु ने अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। हाल ही में अभिमन्यु ने एक न्यूज पोर्टल को दिए इंटरव्यू में बताया कि, 'मुझे इनसाइडर होने के कुछ नुकसान भी है जैसे आउटसाइडर होने के होते हैं। मैं जब सुबह उठता हूं तो कई सारे मैसेज होते हैं, जोकि गंदी गालियों से भरे होते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि मैं यहां तक पहुंचने के लायक नहीं हूं। ये आज भी होता है और मुझे सच में बेहद अजीब लगता है इसलिए मुझे उनके सामने खुद को साबित करना है जो फिल्मों के बारे में कुछ नहीं जानते।' बताया जा रहा है कि शिल्पा शेट्टी की यह फ्लाप फिल्मों में से एक है, लंबे समय के बाद भी शिल्पा की वापसी दमदार नहीं रही।

रवि किशन ने अपनी फीस में की दस गुना बढ़ोत्तरी

भोजपुरी जगत में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाने के साथ-साथ रवि किशन ने भोजपुरी जगत को सातवें आसमान पर ला खड़ा किया है। आज भोजपुरी सिनेमा की धूम घर-घर में देखने को मिलती है। भोजपुरी जगत के सितारे घर-घर में पहचाने जाते हैं। रवि किशन वह चेहरा हैं, जिन्होंने भोजपुरी जगत को दुनिया से रूबरू करवाया है। 30 साल पहले इस नौजवान ने एक्टर बनने की चाह लेकर इस इंडस्ट्री की ओर कदम बढ़ाया था। रवि किशन का एक्टर बनने का सपना तो पूरा हुआ ही साथ ही वह राजनीति की दुनिया के भी सरताज बन बैठे। रवि किशन ने इस इंडस्ट्री में खूब काम और नाम कमाया है। और अब इस नाम के बल पर रवि किशन ने अपनी फीस में भी इजाफा कर लिया है। जी हां हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में रवि किशन ने बताया है कि - मैंने 15 साल से भी ज्यादा समय तक फ्री में काम किया है। लेकिन अब वह समय आ चुका है कि अगर किसी को मेरे साथ काम करना है तो उसे मोटी रकम चुकाने के लिए तैयार होना होगा। मैं अब महंगा अभिनेता बन चुका हूं।

रवि किशन अपने इस इंटरव्यू में आगे कहते हैं मेरी फीस में दस गुना बढ़ोतरी हुई है। क्योंकि मैं अपने परिवार और सोशल वर्क के लिए खुद से पैसे खर्च कर रहा हूं। मानों न मानों मैंने लगभग 15 साल तक फ्री में काम किया है। कोई पैसे आसानी से देता नहीं था। मैं मांगने में हिचकिचाता था। लोगों ने मेरा इस दौरान खूब इस्तेमाल किया, लेकिन तेरे नाम और लक के बाद चीजें बिल्कुल बदल गईं। इस इंटरव्यू के बाद ये बात तो साफ हो गई है कि अब से फिल्ममेकर्स को रवि किशन के साथ काम करने के लिए अपनी जेब ढीली करनी पड़ेगी। पहले रवि किशन एक फिल्म के करीब 50 लाख रुपए तक चार्ज करते थे। और अब उनकी फीस करोड़ों में होने जा रही है। रवि किशन के पास अभी दो फिल्में है, फिलहाल उनकी शूटिंग अभी रूकी हुई है। रवि किशन अब आगे की फिल्मों में बढ़ी फीस लेंगे।

अजब-गजब | सबकी रग-रग में बसा है कुंग-फू

इस गांव के बच्चों से लड़ने में भी छूट जाते हैं बड़े-बड़े योद्धाओं के पसीने

सेल्फ डिफेंस की कला हर इंसान को आनी चाहिए। जिससे वो जरूरत पड़ने पर दुश्मन से अपना बचाव कर सके। दुनियाभर में कुंग-फू को एक ऐसी कला माना जाता है। जिससे इंसान अपने साथ दूसरों को भी सुरक्षित रख सकता है। चीन में कुंग-फू के जानकारों की कमी नहीं है। यहां एक गांव तो पूरा का पूरा कुंग-फू का मास्टर माना जाता है। बताया जाता है कि इस गांव का दस साल का बच्चा भी किसी बड़े योद्धा को मात दे सकता है।

मध्य चीन के तियांजहू में एक गांव के लोग हर दिन मार्शल आर्ट का अभ्यास करते हैं। इस गांव में नौकरीपेशा हो या रेहड़ी लगाने वाला सब कुंग-फू में पूरी तरह से निपुण हैं। यहां विभिन्न कुंग फू शैलियों को सिखाया और इस्तेमाल किया जाता है और लोग अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए एक-दूसरे से लड़ते हैं। कुंग-फू की असामान्य परंपरा ने गांव को प्रसिद्ध बना दिया है।

चीन के गुइज़हौ प्रांत के इस गांव का नाम गैंक्सी डॉन्ग है। यह डॉन्ग लोगों का गांव है जो चीन में 56 मान्यता प्राप्त जातीय अल्पसंख्यकों में से एक हैं। 150 साल पहले एक शाओलिन भिक्षु के यहां आने के बाद यह परंपरा शुरू हुई। गैंक्सी डॉन्ग की

आबादी करीब 8000 है। इस गांव का कुंग-फू इतना प्रसिद्ध है कि इसे कुंग-फू गांव के नाम से जाना जाने लगा है। ऐसा कहा जाता है कि 150 साल पहले शाओलिन भिक्षु तांग लाओशुन के यहां आने के बाद यहां के लोगों ने कुंग-फू का अभ्यास करना शुरू किया। उस दौरान राजा की सेनाओं से बचने के लिए तांग को शाओलिन टेंपल में छिपना पड़ा था। गैंक्सी के मशहूर कुंग-फू मास्टर 88 वर्षीय झोंग मोलिन कहते हैं कि तांग को पहले स्थानीय लोगों ने काफी परेशान किया और उनकी जान लेने की कोशिश की। लेकिन अपने मार्शल आर्ट से उन्होंने लोगों को न सिर्फ हराया बल्कि उन्हें हैरान भी कर दिया। एक बार तांग ने उन पर फेंके जाने वाले पत्थरों को पकड़ने के लिए अपनी चॉपस्टिक्स की का इस्तेमाल किया। निहत्थे तांग ने गांव के सबसे अच्छे कुंग-फू योद्धा को भी हराया जो लंबी छड़ी लेकर आया था। तांग की काबिलियत से प्रभावित होकर गैंक्सी के निवासियों ने उनसे कुंग-फू सीखने का फैसला किया और परंपरा आज तक चली आ रही है। झोंग छठे पीढ़ी के कुंग फू वंशज हैं और गांव में कुंग-फू की क्लास चलाते हैं। वह वहां के शाओलिन टेंपल में क्लास लेते हैं। हालांकि लोग अपने घरों, अपने खेत या सड़क के स्टॉल पर भी कुंग-फू का अभ्यास करते हैं।

कम सोने के कारण आंखों में क्यों होती है जलन? क्या है दर्द होने का वैज्ञानिक कारण

कभी आप देर रात जगकर कोई फिल्म देखें या ऑफिस का जरूरी काम करें तो अगले दिन आखों में जलन होने लगती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि आप पूरी नींद नहीं ले पाए। मगर कम सोने के कारण आंखों में जलन होने का क्या कारण है? क्या आंख में कोई समस्या हो जाती है या इसके पीछे कोई और वजह है? आज हम आपको बता रहे हैं आंखें जलने का वैज्ञानिक कारण जिसके बारे में शायद ही आप जानते होंगे। दुनिया का कोई भी जीव है, उसके लिए सोना बहुत जरूरी है। इंसान के लिए भी कम से कम 7 घंटे की नींद लेना जरूरी है। आपको शायद ये भी पता होगा कि अगर इंसान लगातार कई दिनों तक ना सोए तो उसकी मौत भी हो सकती है। यूं तो पर्याप्त नींद का वक्त तय है लेकिन अगर किसी कारण के चलते इंसान कम सोता है तो उसकी आंखों में जलन होने लगती है। ऐसे में इंसान बार-बार अपनी आंखें भी खुजलाता रहता है। आंखों में होने वाली जलन असल में कॉर्निया में होती है। आंखों की पुतली की ऊपरी परत कॉर्निया कहते हैं जो आंखों की हिफाजत करता है। ये एक बेहद पतली सी लेयर होती है जो गर्दा, गंदगी, बैक्टीरिया या तेज रोशनी को आंखों के अंदर जाने से रोकता है। कॉर्निया हर वक्त यूवी किरणों और ऑक्सीजन के संपर्क में रहता है। कॉर्निया में मौजूद सेल इस ऑक्सीजन को तोड़ता है। यूवी किरणें इन आरओएस के रिलीज होने की स्पीड को बढ़ा देती हैं। ये असंतुलित ऑक्सीजन युक्त मॉलिक्यूल होते हैं। इससे प्रोटीन, लिपिड और डीएनए डैमेज होता है जो अंत में सेल्स को मारते हैं। कई रिसर्च से ये पता चला है कि कम सोने से शरीर में आरओएस की मात्रा बढ़ जाती है। जलन होने का कारण यही ऑक्सीजन युक्त अणु होते हैं। ये मॉलिक्यूल कॉर्निया की सेल को डैमेज कर देते हैं वहीं कम सोने से ये कॉर्निया की सेल को मार देते हैं। अब आप परेशान होंगे कि इस तरह तो आंखें खराब हो जाती होंगी और अगर सेल डैमेज हो जा रही हैं तो बनेंगी कैसे। प्रकृति ने एक तरफ जहां सेल्स को खत्म करने के लिए इन मॉलिक्यूल्स को बनाया है तो दूसरी ओर इन मॉलिक्यूल्स से बचने का भी उपाय हमें दिया है। हमारी आंखों पर मौजूद आंसू की परत विटामिन-सी से बनी होती है। ये कॉर्निया को आरओएस डैमेज से बचाता है। ये परत एंटी ऑक्सीडेंट भी रिलीज करता है जो इन मॉलिक्यूल को तोड़ते हैं।

भाजपा की जनविरोधी नीतियों का खामियाजा भुगत रहा देश : अखिलेश

» धोखे और झूठ की कर रही राजनीति, प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त

» सपा के कामों को बता रही अपना, महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी और गलत नीतियों का खामियाजा पूरा प्रदेश और देश भुगत रहा है। भाजपा की धोखे और झूठ की राजनीति ने समाज के हर वर्ग को तबाह कर दिया है। किसान, नौजवान, व्यापारी सभी भाजपा सरकार से नाराज और आक्रोशित है। उत्तर प्रदेश महंगाई, बेरोजगारी और अपराध की घटनाओं से झुलस रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री समेत भाजपा के सभी नेता अपनी बात झूठ से शुरू करते हैं और झूठ पर ही खत्म करते हैं। सपा सरकार ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे का निर्माण कराया। उसी की अगली कड़ी में आजमगढ़ को प्रदेश की राजधानी लखनऊ और देश की राजधानी नई दिल्ली से जोड़ने के लिए समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की आधारशिला रखी गई थी। जमीन अधिग्रहण हुआ। एलाइनमेंट हुआ लेकिन भाजपा सरकार बनने पर काम रोक दिया फिर समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का नाम बदल दिया। समाजवादियों ने हमेशा आजमगढ़ और पूर्वांचल के विकास के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा आजमगढ़ की उपेक्षा की और बदनाम किया। अभी भी भाजपा सरकार धोखा देने से बाज नहीं आ रही है। प्रदेश की जनता जानती है कि भाजपा राज में महंगाई, भ्रष्टाचार और बच्चियों के दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। सत्ता संरक्षित दबंगों ने भाजपा राज को जंगलराज में तब्दील कर दिया है। भाजपा ने एक यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं किया।

उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार ने मरीजों के लिए 108 और 102 एम्बुलेंस सेवा और महिला अपराध नियंत्रण के लिए 1090 तथा अपराध नियंत्रण के लिए यूपी डायल 100 की सुविधा दी थी जिसे भाजपा सरकार ने बर्बाद कर दिया। भाजपा सरकार के पास गिनाने को अपनी एक भी योजना नहीं है। सपा सरकार के कामों को अपना बताकर वह पांच वर्ष से लोगों को गुमराह करने का अपराध किया है।

लखनऊ में दो हजार से ज्यादा पार्क तैयार योगाभ्यास करेंगे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कल मंगलवार को लखनऊ के दो हजार से अधिक पार्कों में सात लाख लोग योगाभ्यास करेंगे। योगभ्यास के लिए देश में कुछ जगहों को आईकान के रूप में चयन भी किया गया है, जिसमें लखनऊ में भी दो जगह चिंहित की गई है। इसमें राजभवन के अलावा रेजीडेंसी है।

» अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां पूरी मंत्री भी होंगे शामिल

राजभवन में योग दिवस पर राज्यपाल के अलावा मुख्यमंत्री भी शामिल हो सकते हैं तो रेजीडेंसी में मंत्री और अधिकारी योग करते दिखेंगे। लखनऊ को सात लाख लोगों को योग शिविर से जोड़ने का लक्ष्य है। नगर निगम ने तीन लाख को विभिन्न योग शिविरों से जोड़ा है। नगर निगम ने अपने 22 सौ पार्कों में योग शिविर का इंतजाम किया है। मोबाइल फोन पर मैसेज करके लोगों को अपने नजदीक के पार्क में योग शिविर में शामिल होने को कहा गया। हर पार्क में एक अथवा दो योगाचार्यों और योग शिक्षकों को तैनात किया गया है।

पिता का केस लड़ रहे अधिवक्ता बेटे पर भी मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के वरिष्ठ नेता रामेश्वर सिंह यादव के अधिवक्ता बेटे सुबोध यादव हाईकोर्ट में अपने पिता के मुकदमे की पैरवी कर रहे हैं। इसी बीच उन पर एक ही दिन में कई धाराओं में तीन एफआईआर दर्ज कर दी गयी है। इस पर अधिवक्ता सुबोध यादव ने प्रदेश सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं।

» सपा नेता रामेश्वर सिंह यादव के बेटे हैं अधिवक्ता सुबोध

सुबोध यादव ने बताया कि उनके पिता तीन बार विधायक रहे हैं और इस बार भी विधान सभा चुनाव में एक लाख वोट पाकर बहुत कम अंतर से हारे हैं। इन दिनों वे गैंगस्टर की धारा में जेल में हैं। रामेश्वर सिंह यादव पर पहले भी तीन बार गैंगस्टर एक्ट लग चुका है। तीनों बार उन्हें कोर्ट से बाइज्जत बरी कर दिया गया था। रामेश्वर सिंह के जेल जाने के बाद भी उन पर पांच और मुकदमे दर्ज किये गए हैं। साथ ही इनके भाई जोगिन्दर यादव पर भी कई मुकदमे दर्ज किये गए हैं। सरकार ने इनकी संपति को भी नुक्सान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि वे पिता के केस की पैरवी हाईकोर्ट इलाहाबाद और लखनऊ बेंच में कर रहे हैं। अब उन पर 16 जून को तीन एफआईआर दर्ज की गई है जिसमें 447, 323,147, 504, 506, 342 और हरिजन ऐक्ट शामिल हैं। सुबोध यादव का कहना है कि उन्हें कानून पर पूरा भरोसा है।

अग्निपथ : रेलवे स्टेशन पर तोड़-फोड़ मामले में तीन गिरफ्तार, चार फरार

» आरोपियों पर इनाम घोषित, बस पर पथराव करने का भी आरोप

» गैंगस्टर और एनएसए के तहत भी की जाएगी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। सेना भर्ती के लिए आई अग्निपथ योजना के विरोध में 17 जून को पीपीगंज रेलवे स्टेशन पर तोड़-फोड़ व बस पर पत्थराव करने के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ और फोटो के आधार पर चार और आरोपियों की पुलिस ने पहचान कर ली है। सभी आरोपियों पर एसएसपी विपिन ताडा ने 25-25 हजार का इनाम घोषित किया है।

पिछले शुक्रवार को पीपीगंज रेलवे स्टेशन के पास युवाओं की भीड़ एकत्र हुई थी और स्टेशन परिसर में तोड़-फोड़ की। पुलिस के पहुंचने पर भीड़ वहां से भागी और रोडवेज बस पर पथराव किया, जिसमें यात्री मौजूद थे। पथराव से बस का शीशा टूट गया था और चार यात्री चोटिल भी हो गए थे। पीपीगंज पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। फोटो और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने तीन आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार किया है,जबकि चार अब भी फरार हैं। फरार आरोपियों की पहचान रामस्वरूप, अभिषेक गुप्ता, तुफानी यादव और धीरज यादव के रूप में हुई है। एसएसपी ने इनके खिलाफ 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। एसएसपी ने कहा कि जिले में धारा 144 लागू है और इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती से कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं पकड़े गए आरोपियों की पहचान मिथुन चौरसिया, मनीष चौरसिया और सोनू साहनी के रूप में हुई है। सभी आरोपियों पर गैंगस्टर और एनएसए की भी कार्रवाई की जाएगी।

मैनपुरी : दावत में खाना खाने से सौ बीमार, हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। जिले के किशनी थाना इलाके के एक गांव में शादी में खाना खाने आए लोगों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। करीब 100 लोगों को उल्टियां होने लगीं, जिसमें से करीब 60 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

किशनी थाना इलाके के नन्दपुर मनिगांव के रहने वाले मुन्नालाल जाटव के बेटे श्यामवीर की शादी मोहल्ला सूरजपुर बिधूना में तय हुई थी। आज श्यामवीर की बरात जानी थी, जिसके लिए रविवार को मंडप की दावत का खाना बना था। रविवार शाम नंदपुर और आसपास के गांव के लोगों व रिश्तेदारों ने खाना खाया। रात 9 बजे के बाद कई लोगों को उल्टियां और पेट में दर्द होने लगा। जिससे गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस पहुंची और एम्बुलेंस के जरिए पीएचसी और सीएचसी में भर्ती कराया।

कांवड़ यात्रा की तैयारियां शुरू हेलीकॉप्टर से बरसेंगे फूल

» सावन में शुरू होगी यात्रा प्रशासन सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। आगामी 14 जुलाई से सावन का महीना शुरू हो रहा है। इस महीने में कांवड़ यात्रा भी शुरू होती है। इसे लेकर वेस्ट यूपी में प्रशासनिक अमला कांवड़ यात्रा की तैयारियों में जुट गया है। मेरठ में जिलाधिकारी और एसएसपी ने कावड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया। कावड़ियों पर हेलीकॉप्टर के जरिए पुष्प वर्षा की जाएगी।

डीएम दीपक मीणा और एसएसपी प्रभाकर चौधरी ने गंगनहर पटरी सरधना क्षेत्र के अंतर्गत कावड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही रोड, बिजली, यातायात व्यवस्था, नहर पटरी रेलिंग आदि को लेकर निर्देश दिए। एसएसपी ने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर मेरठ पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था भी पुख्ता होगी।

एसपी ट्रैफिक सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी इस दौरान उपस्थित रहे।

वेस्ट यूपी के साथ-साथ इस बार उत्तराखण्ड में भी कांवड़ियों का जोरदार स्वागत करने की तैयारी हो रही है। उत्तराखण्ड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बीते दिनों कहा था कि कोविड महामारी के कारण दो साल से कांवड़ यात्रा बाधित रही। इस बार कांवड़ यात्रियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जाएगी। सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। गौरतलब है कि पश्चिमी यूपी में कांवड़ यात्रा बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ निकलती है।

घर में घुसकर बेटी और मां पर चाकू से हमला, युवती की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में स्थित नगला बोहरा इलाके में एक सिरफिरे युवक ने घर में घुसकर वहां रह रहीं मां-बेटी पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में बेटी की मौत हो गई, वहीं मां घायल है। वारदात के बाद युवक ने खुद के पेट में भी चाकू घोंप लिया, जिससे वह भी घायल हो गया। मां और सिरफिरे युवक का इलाज चल रहा है।

» खुद को भी मारा चाकू, घटना के कारणों का नहीं चला पता

रविवार देर शाम नगला बोहरा के रहने वाले रिटायर्ड फौजी तेजवीर के घर पर उनकी पत्नी सुनीता और 17 वर्षीय बेटी सोनम बैठी हुई थीं। इस दौरान मुजफ्फरनगर के नई मंडी थाना क्षेत्र के ककुड़ा निवासी शिवम उर्फ अभी कश्यप ने उनके दरवाजे पर दस्तक दी। उसके लिए दरवाजा खोलने आई सोनम पर उसने वहीं पर चाकू से हमला कर दिया। बेटी को बचाने मां सुनीता आई तो उस पर वार कर दिए। मां-बेटी को घायल कर युवक ने अपने पेट में भी चाकू घोंप लिया और वहीं गिर गया। युवती की मौत हो गयी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस घटना के कारणों की पड़ताल कर रही है।

जनेश्वर मिश्र पार्क में अपर्णा की अपील, योग करके बनें निरोगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 21 जून यानी कल 9वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाना है। इसकी तैयारियों को लेकर राजधानी में जिला प्रशासन स्तर तैयारियां जारी है। जबकि योग केंद्रों पर भी लोगों को योग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। वहीं योग दिवस से एक दिन पहले भाजपा नेत्री एवं समाजसेविका अपर्णा यादव ने जनेश्वर मिश्र पार्क पहुंचकर लोगों को योग कराया। साथ ही सभी लोगों से अपील की कि विश्व योग दिवस को सफल बनाएं और योग करके निरोगी बने। योग करें और स्वस्थ्य रहे। उधर, 19वीं गर्ल्स बटॉलियन ऑफ एनसीसी कैडेट्स ने भी योग दिवस से पूर्व एएमसी ग्राउंड में योगाभ्यास किया।

किसी भी मरीज को सीधे कॉल कर सकेंगे हेल्थ मिनिस्टर

» प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों को निर्देश

» प्रत्येक मरीज का विवरण प्रतिदिन स्वास्थ्य मंत्री को दें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वास्थ्य महकमे से बड़ी खबर सामने आई है। वह यह कि अब सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले प्रत्येक तीमारदार का विवरण हेल्थ मिनिस्टर के पास होगा। इसके लिए शासन स्तर से सभी सरकारी अस्पतालों को शासन की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि वह अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले प्रत्येक मरीज का विवरण प्रतिदिन डिप्टी सीएम व प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक को भेजा जाय।

महानिदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) ने सीएमओ समेत सभी सरकारी अस्पतालों के अधीक्षकों को इसके लिए पत्र भेजा है और कहा गया है इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए, नहीं तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। यूपी में इस तरह की व्यवस्था पहली हो रही है कि स्वास्थ्य मंत्री के पास प्रदेश भर के एक-एक मरीजों का विवरण होगा। इससे वह कभी भी किसी भी मरीज को सीधे कॉल करके अस्पताल में इलाज व सुविधाओं के बारे में पूछ सकते हैं।

इससे लापरवाही व मनमानी करने वाले अस्पताल के जिम्मेदार अधिकारियों व डाक्टरों के बारे में भी मरीज के जरिए पता लगाया जा सकेगा। बता दें कि इन दिनों स्वास्थ्य मंत्री लगातार सरकारी अस्पतालों का दौरा कर रहे हैं और हकीकत देख रहे हैं।

मृतक व रेफर मरीजों का भी होगा विवरण

अस्पताल में पंजीकरण कराने वाले मरीज, भर्ती होने वाले मरीज, डिस्चार्ज और रेफर किए जाने वाले मरीजों की भी सूची प्रतिदिन देनी होगी। इतना ही नहीं, अस्पताल में इलाज के दौरान मरने वाले मरीजों को भी ब्यौरा अस्पताल के अधीक्षक को देना होगा। इससे स्वास्थ्य मंत्री यह जानने का प्रयास करेंगे कि जिस मरीज की मौत हुई है, क्या उसे सही इलाज मिला या लापरवाही की गई है।

यूपी में स्लैब बदलकर बिजली महंगी करने की तैयारी!

» उपभोक्ता परिषद ने की सीएम से हस्तक्षेप की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में अब स्लैब बदलकर बिजली महंगी करने की तैयारी चल रही है। इसका उपभोक्ता परिषद विरोध कर रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता फोरम ने आरोप लगाया है कि यह अधिकार केवल नियामक आयोग को है। ऐसे में कंपनियों की तरफ से दिया गया यह प्रस्ताव नियमों के खिलाफ है।

परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा का कहना है कि विद्युत अधिनियम का कंपनियां उल्लंघन कर रही हैं। उपभोक्ता परिषद ने मुख्यमंत्री से पूरे मामले में हस्तक्षेप करने की मांग उठाई है, जिस तरह बिजली दर बढ़ने से रोकने के लिए विदेशी कोयले की खरीद पर प्रतिबंध लगाया गया था। उसी तरह स्लैब परिवर्तन पर भी प्रतिबंध लगाया जाए। इससे बिजली दरों में बढ़ोतरी नहीं होगी। उपभोक्ता परिषद ने बताया कि 21 जून से इस पर सुनवाई होनी है। इस बार कंपनियों ने बिजली दर बढ़ाने की मांग नहीं की। मगर वह चाहती हैं कि स्लैब बदल दिया जाए। इसके चलते कम बिजली जलाने के बाद भी अपने आप बिल ज्यादा आएगा। उदाहरण के लिए अगर एक किलोवाट का कोई उपभोक्ता 150 यूनिट बिजली जलाता है, तो पहले उसका बिल 5.50 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से 825 रुपए और फिक्स्ड चार्ज मिलाकर 935 रुपए आता था, लेकिन नए स्लैब में उसको 960 रुपए देने होंगे।

पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव पर भ्रष्टाचार का आरोप, जांच के आदेश

» डिजिटल सिस्टम तैयार करने के नाम पर 300 करोड़ के कथित घोटाले का है आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव नरेंद्र भूषण पर योगी सरकार की तलवार लटक गई है। उन पर ग्रेटर नोएडा में सीईओ के पद पर तैनाती के दौरान 300 करोड़ रुपए के कथित घोटाले का आरोप लगा है। पूर्व सीईओ रहते हुए डिजिटल सिस्टम तैयार करने के नाम पर 300 करोड़ की हेराफेरी की बात सामने आई है। इसकी शिकायत पीएम और सीएम पोर्टल पर होने के बाद योगी सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं।

विशेष कार्याधिकारी सौम्या श्रीवास्तव को मामले की जांच सौंपी गई है। वहीं जांच आख्या 15 दिन में देने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रेटर नोएडा के बादलपुर निवासी राजेंद्र नागर ने सीएम और पीएम पोर्टल पर शिकायत करते हुऐ लिखा कि ग्रेनो में डिजिटल साफ्टवेयर तैयार करने में एक कंपनी को काम दिया गया. अनुबंध की शर्तों के विपरीत भुगतान भी कर दिया गया। सॉफ्टवेयर शुरु करने में प्राधिकरण 300 करोड़ रूपए का भुगतान कर चुका है। फिर भी यह प्रक्रिया शुरु नहीं कराई जा सकी है। इस मामले की शिकायत के बाद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में जांच शुरू हो गई है। प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक आधिकारी अदिती सिंह ने ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी में विशेष कार्याधिकारी सौम्या श्रीवास्तव को जांच सौंपी है। इस कार्रवाई से अब पीडब्ल्यूडी जैसे महत्वपूर्ण विभाग में तैनाती पाने वाले नरेंद्र भूषण की कार्यशैली पर नजरें रखी जाने लगी हैं, जिससे पीडब्ल्यूडी विभाग में किसी तरह का कोई आरोप ना लगे। योगी सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य किया जाए। इस जांच आख्या के आने के बाद शासन स्तर से जल्द कोई बड़ा निर्णय भी किया जा सकता है।

पूर्व विधायक सोनू की मुश्किलें बढ़ीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। पूर्व विधायक चंद्रभद्र सिंह सोनू के खिलाफ धनपतगंज थाने में जान से मारने की धमकी देने की एफआईआर दर्ज कराई गई है। उनके साथ तीन अन्य लोगों को भी नामजद किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मायंग निवासी बैजनाथ निषाद का आरोप है कि पट्टीदार फूलचंद निषाद के घर का पानी उनके घर की तरफ बहकर आता है। नाली को बंद करने के लिए फूलचंद से कहा लेकिन अनसुना कर दिया। दोबारा शिकायत की तो 16 जून को फूलचंद चंद्रभद्र सिंह सोनू, रोशन, पप्पू को लेकर पहुंच गया। घर गिरवा देने की धमकी दी। वहीं पूर्व विधायक सोनू ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष में बैठे कुछ लोगों द्वारा उन्हें पुलिस प्रशासन के द्वारा लगातार परेशान किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।